

तारीख  
हुक्म

26.03.25

आज यह पत्रावली पेश हुई वकील  
पार्थ उषदिशत उन्हें सुना गया।  
पत्रावली एवं डेव्हावेजी रिपोर्ट का  
मन्दी मांति अध्यापन किया गया।  
पार्थ नमील द्वारा कपनी बहका  
में अलग करवाया गया कि पार्थ के  
पिता का नाम आलोक 12 व 32  
वाके नाम का लोहार रहस्यील मुखला  
में खोटा हो गया जबकि सही नाम  
है रघु है।

इसने बहका का मतलब किया गया  
एवं डेव्हावेजी रिपोर्ट का अध्यापन  
के पार्थना - पर पार्थ ही कर (किया)  
जाना उचित समझते हैं।

अतः पार्थना - पर पार्थ ही कर  
किया जायक रहस्यील सिल मुखला को  
अडेडिबल किया गया है कि ख.न.  
12 रघु 0.4800, 32 रघु 0.7300  
वाके नाम का लोहार रहस्यील मुखला  
में पार्थ के पिता का नाम खोटा  
पुटा करन के अध्यापन पर हारया पुन  
करन राजल रिपोर्ट में इन किया जहाँ  
पत्रावली केवल सुमा 2 खोटा बाद तकमील  
जाना उचित समझते हैं।

मे  
राधेश्याम शर्मा  
उपखण्ड  
उपखण्ड  
मुखला